

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः - अनिवार्यसंस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् – ०१	कूटाङ्कः – CF
सन्दर्भग्रन्थः – अष्टाध्यायीभाष्यम् प्रथमावृत्तिः		

प्रश्न नं.	गुण
१ निम्नलिखितयोः प्रश्नयोः उत्तरं लिखत।	१०
(१) चतुर्दशानां माहेश्वरसूत्राणामर्थं विलिख्य सर्वेषां प्रत्याहाराणाम् आगतवर्णान् एवञ्च प्रयुक्तसूत्राणि लिखत।	०५
(२) उपदेशेऽजनुनासिक इत्, हलन्त्यम् इति सूत्रद्वयं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।	०५
२ निम्नलिखितानां पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।	१०
(१) ण्वुल्तृचौ इति सूत्रं सोदाहरणं लिखत।	०२
(२) कर्मण्यण् इति सूत्रं सोदाहरणं लिखत।	०२
(३) सप्तम्यां जनेर्ङः इति सूत्रं सोदाहरणं लिखत।	०२
(४) सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये इति सूत्रं सोदाहरणं लिखत।	०२
(५) नन्दनः, पचः, ग्राही इत्येषां ससूत्रं सिद्धिं लिखत।	०२
३ निम्नलिखितयोः प्रश्नयोः यथाग्रन्थं समाधानं लिखत।	१०
(१) तुमुण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्, स्त्रियां क्तिन् इति सूत्रद्वयं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।	०५
(२) नपुंसके भावे क्तः, करणाधिकरणयोश्च इति सूत्रद्वयं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्कः – 15+15=30

विषयः – Eng. & Comp.

प्रश्नपत्रम् – 02

कूटाङ्कः – CF

सन्दर्भग्रन्थः – Spectrum : A Textbook for college students

प्रश्न नं.

गुण

ENGLISH

- | | |
|--|----|
| 1. Discuss the character of a man in 'A wrong man in worker's paradise'. | 05 |
| 2. Answer the following questions in 2-3 lines. | 05 |
| 1. Why does the poet stop in the woods? | |
| 2. Why does the horse shake the harness bells? | |
| 3. Fill in the blanks with the correct forms of the verbs. | 05 |
| 1. He _____ newspapers everyday. | |
| (read-simple present tense) | |
| 2. I _____ to my parents last night. | |
| (speak-simple past tense) | |
| 3. Vivek and Chetan _____ their room. | |
| (clean-Present continuous tense) | |
| 4. Arpita _____ not _____ the classes. | |
| (attend-simple future tense) | |
| 5. Bharti _____ to Kevadia. | |
| (go-present perfect tense) | |

COMPUTER

- | | |
|---|----|
| 1. Answer all these questions : (each of 2 marks) | 10 |
| 1. Write steps to find and replace text in a word document. | |
| 2. What is header and a footer? Write their uses. | |
| 3. What is watermark? Write steps to add watermark to a word document. | |
| 4. What is a presentation? Can we add notes to the slides of a presentation? Write steps to add transition to the slides. | |
| 5. What is a slide-show? How many ways are there to do a slide-show. Write all. | |
| 2. Answer following questions : (each of 1 mark) | |
| 1. Shortcut key for finding a text in word document _____ | |
| 2. To apply centre alignment, we press _____ key from keyboard. | |
| 3. What is the extension of MS-Word? | |
| 4. What is the extension of MS-PowerPoint? | |
| 5. In which tab all the font settings appear? | |

શ્રીસોમનાથસંસ્કૃતયુનિવર્સિટી-વેરાવલમ્
બાહ્ય સેમેસ્ટર પરીક્ષા સ્વાધ્યાયકાર્ય – ૨૦૨૧-૨૨

કક્ષા - શાસ્ત્રી

સત્રમ્-દ્વિતીયમ્

ગુણાંકા: - ૩૦

વિષય: - ગુજરાતી

પ્રશ્નપત્રમ્ – ૦૩

કૂટાંક: –

સન્દર્ભગ્રન્થ: – પ્રેમાનંદકૃત કુંવરબાઈનું મામેરું

પ્રશ્ન નં.

ગુણ

યુનિટ-૧

- | | |
|--|----|
| (૧) ગુજરાતી ભાષામાં અત્યંત લોકપ્રિય એવા આખ્યાન સાહિત્ય સ્વરૂપનો વિગતે પરિચય કરાવો. | ૦૫ |
| (૨) કુંવરબાઈનું મામેરું આખ્યાન કાવ્યનું સમગ્રલક્ષી મૂલ્યાંકન કરો. | ૦૫ |

યુનિટ-૨

- | | |
|--|----|
| (૧) કુંવરબાઈનું મામેરું નો સાહિત્ય પ્રકાર જણાવો. | ૦૨ |
| (૨) પ્રેમાનંદ પાસેથી આપણને કઈ કઈ કૃતિઓ મળે છે? | ૦૨ |
| (૩) પ્રેમાનંદનો જન્મ ક્યાં થયો હતો? | ૦૨ |
| (૪) પ્રેમાનંદના પુત્રનું નામ શું હતું? | ૦૨ |
| (૫) કુંવરબાઈના સસરાનું ના જણાવો. | ૦૨ |

યુનિટ-૩

- | | |
|--|----|
| (૧) કુંવરબાઈનું મામેરું માં ભક્તિનિરૂપણ | ૦૫ |
| (૨) કુંવરબાઈનું મામેરું માં શ્રીકૃષ્ણનું પાત્રાલેખન કરો. | ૦૫ |

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री
विषय: - हिन्दी

सत्रम्-द्वितीयम्
प्रश्नपत्रम् – ०३

गुणाङ्काः - ३०
कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – कविता के पड़ाव

प्रश्न नं.	गुण
युनिट-१	
१ मैथिलीशरण गुप्त का परिचय देते हुए उनकी रचनाएँ बताइए।	०५
२ आधुनिक हिन्दी कविता की विकासयात्रा संक्षिप्त में बताइए।	०५
युनिट-२	
१ कैकेयी ने दशरथ से क्या वरदान माँगा था?	०२
२ मनुष्य को निराश क्यों न होना चाहिए?	०२
३ हिमादी तुंग-शृंग से- कवि हमें क्या सीखाते हैं?	०२
४ जागरी- काव्य की सखी क्या बात कह रही है?	०२
५ जयशंकर प्रसाद के काव्यसंग्रह के नाम बताइए।	०२
युनिट-३	
१ तोडती पत्थर- काव्य का मर्म समझाइए।	०५
२ सुमित्रानन्दन पन्त ने प्रथम रश्मि काव्य के द्वारा पाठकों को क्या सीख देनी है?	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः – इतिहास

प्रश्नपत्रम् – ०४

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – प्राचीन भारत का इतिहास

प्रश्न नं.

गुण

युनिट-१

- १ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं २ प्रश्नों का निबन्धात्मक उत्तर दीजिए। १०
- (१) कनिष्क की उपलब्धियाँ और सफलताओं का मूल्यांकन कीजिए।
कनिष्कनी सिद्धिओ अने सङ्गताओनुं मूल्यांकन करो.
- (२) गुप्त काल में ब्राह्मणों के कटाक्ष के क्या कारण थे?
गुप्त कालमां ब्राह्मणोना कटाक्षनुं कारण शुं उत्तुं?
- (३) चीनी यात्री और उसके भारत वर्णन का विवेचन कीजिए।
चीनी प्रवासी अने तेना भारतना वर्णननी यथा करो.

युनिट-२

- २ किन्हीं २ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। १०
- (१) गुप्त काल को हिन्दू काल का स्वर्णिम काल क्यों कहते हैं?
गुप्तकालने हिंदु कालनो सुवर्णकाल शा माटे कडेवामां आवे छे?
- (२) हर्षवर्धन की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
हर्षवर्धननी सिद्धिओनुं वर्णन करो.
- (३) सोमनाथ के ऐतिहासिक महत्त्व का वर्णन कीजिए।
सोमनाथना ऐतिहासिक महत्त्वनुं वर्णन करो.

युनिट-३

- ३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ५ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। १०
- (१) तालीकोटा युद्ध के दो कारण लिखे।
तालीकोटाना युद्धना बे कारणो लખो.
- (२) बहमनी और विजयनगर राज्य के बीच संघर्ष के दो कारण लिखे।
बहमानी अने विजयनगर रजवाडाओ पश्येना संघर्षना बे कारणो लखो.
- (३) चोल शासकों ने अपने साम्राज्य का विस्तार कैसे किया?
चोल शासकोअे तेमनुं साम्राज्य केवी रीते विस्तार्युं?
- (४) राष्ट्रकूट वंश के इतिहास का क्या महत्त्व है?
राष्ट्रकूट राजवंशना इतिहासनुं महत्त्व शुं छे?
- (५) राजपूत युग का पतन के कारणों का वर्णन करो।
राजपूत युगनी अधोगतिना कारणो ज्ञावावो.
- (६) गुप्त साम्राज्य के पतन के दो कारण लिखे।
गुप्त साम्राज्यना पतन माटेना बे कारणो लखो.

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः-प्राच्यार्थशास्त्रम् एवं राजनीतिशास्त्रम्

प्रश्नपत्रम् – ०४

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – कौटिलीयार्थशास्त्रम् (३-४ अधिकरणे)

प्रश्न नं.

गुण

सूचना- सर्वे प्रश्नाः अनिवार्यरूपेण लेखनीयाः

- | | | |
|---|---|----|
| १ | (१) विवाहसम्बन्धे स्त्रीशुश्रूषा-मार्गपारुष्यं-द्वेषातिचारः
उपकारव्यवहारप्रतिषेधादिविषये ग्रन्थोक्तदिशा कर्तव्यं विदिशत। | ०५ |
| | (२) गृहनिर्माणकर्मणि कर्तव्याकर्तव्यविचारान् यथाग्रन्थं वर्णयत। | ०५ |
| २ | (१) औपनिधिकम् इत्यस्य स्पष्टार्थं विलिख्य तत्सम्बद्धनियमानां वर्णनं
कुर्वन्तु। | ०५ |
| | (२) वाक्पारुष्याद्यपराधेषु को दण्डः? सविस्तृतं वर्णयत। | ०५ |
| ३ | (१) दुष्टव्यापारिवर्गेभ्यः प्रजायाः केन प्रकारेण रक्षणं कर्तव्यम्?
शास्त्रसम्मतं लिखत। | ०५ |
| | (२) राज्ञा दैवी-आपत्तिभ्यः प्रजायाः रक्षणं केन प्रकारेण कर्तव्यं
तन्निरूपयत। | ०५ |

શ્રીસોમનાથસંસ્કૃતયુનિવર્સિટી-વેરાવલમ્
બાહ્ય સેમેસ્ટર પરીક્ષા સ્વાધ્યાયકાર્ય – ૨૦૨૧-૨૨

કક્ષા - શાસ્ત્રી

સત્રમ્-દ્વિતીયમ્

ગુણાંકા: - ૩૦

વિષય:- સમાજશાસ્ત્ર

પ્રશ્નપત્રમ્ – ૦૪

કૂટાંક: –

સન્દર્ભગ્રન્થ: – ભારતની સામાજિક સંસ્થાઓ

પ્રશ્ન નં.	ગુણ
૧ નીચે આપેલ તમામ પ્રશ્નોના ઉત્તરો લખવા ફરજિયાત છે. (અ) સામાજિક સંસ્થાનો અર્થ આપી, સામાજિક સંસ્થાનાં લક્ષણો સમજાવો. (બ) જ્ઞાતિની વ્યાખ્યા આપી જ્ઞાતિ અને વર્ગ વચ્ચેનો તફાવત સમજાવો.	૦૫ ૦૫
૨ નીચેના પ્રશ્નોના જવાબ ફરજિયાત લખવાના રહેશે. (અ) લગ્નનો અર્થ આપી, હિન્દુ લગ્નનાં ઉદ્દેશો જણાવો. (બ) કુટુંબનો અર્થ આપી, કુટુંબનાં પ્રકારો સમજાવો.	૦૫ ૦૫
૩ ટૂંકનોંધ લખો. (બંને ફરજિયાત લખવી.) (અ) જ્ઞાતિનાં લક્ષણો. (બ) ધાર્મિક માન્યતાઓ.	૦૫ ૦૫

શ્રીસોમનાથસંસ્કૃતયુનિવર્સિટી-વેરાવલમ્
બાહ્ય સેમેસ્ટર પરીક્ષા સ્વાધ્યાયકાર્ય – ૨૦૨૧-૨૨

કક્ષા - શાસ્ત્રી

સત્રમ્-દ્વિતીયમ્

ગુણાંકાઃ - ૩૦

વિષયઃ- અર્થશાસ્ત્ર

પ્રશ્નપત્રમ્ – ૦૪

કૂટાંકઃ –

સન્દર્ભગ્રન્થઃ – અર્થશાસ્ત્રના સિદ્ધાંતો

પ્રશ્ન નં.

ગુણ

- | | |
|---|----|
| ૧ (અ) સંપૂર્ણ હરિકાઈ એટલે શું? સંપૂર્ણ હરિકાઈની લાક્ષણિકતાઓ વર્ણવો. | ૦૫ |
| (બ) બજાર કિંમત એ કઈ રીતે નક્કી થાય છે? ચર્ચા કરો. | ૦૫ |
| ૨ (અ) નાણું એટલે શું? નાણાંનાં કાર્યો જણાવો. | ૦૫ |
| (બ) નાણાનું મહત્ત્વ વિગતે સમજાવો. | ૦૫ |
| ૩ (અ) આવકની અસમાનતાના કારણો જણાવો. | ૦૫ |
| (બ) મધ્યસ્થ(રિઝર્વ) બેંકના કાર્યો જણાવો. | ૦૫ |

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- पुराणेतिहासः	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – श्रीमद्भागवतमहापुराणम् प्रथमः स्कन्धः		

प्रश्न नं.		गुण
	प्रथमान्वितिः	
१	देवर्षिनारदस्य पूर्वचरित्रं लिखत।	०५
२	भगवतः अवतारकथा वर्णनम्।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
१	परीक्षितः जन्मकथां लिखत।	०५
२	भीष्मपितामहस्य महाप्रस्थानं ग्रन्थोक्तदिशा लिखत।	०५
	तृतीयान्वितिः	
१	धर्मपृथ्व्योः संवादं ग्रन्थानुसारं लिखत।	०५
२	परीक्षिता कृतं कलिदमनवर्णनं लिखत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- पुराणेतिहासः	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वाल्मीकिरामायणम् (सुन्दरकाण्डे नियतसर्गाः)		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	हनुमता कृता समुद्रलङ्घनं ग्रन्थानुसारं वर्णयत।	०५
२	सिंहिकायाः वधं यथाग्रन्थं वर्णयत।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
१	हनुमता कृता रामकथावर्णनं लिखत।	०५
२	सीता-अपहरणवृत्तान्तं लिखत।	०५
	तृतीयान्वितिः	
१	हनुमता कृता श्रीरामस्य शारीरिकचिह्नानि लिखत।	०५
२	सीतायाः हनुमतं प्रति सन्देहप्रसङ्गं लिखत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- पुराणेतिहासः	प्रश्नपत्रम् – ०७	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – श्रीमद्भागवतमहापुराणम्, प्रथमः स्कन्धः		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	भगवतः अवताराणां वर्णनं कुरुत।	०५
२	भगवद्भक्तेः महिमानं वर्णयत।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
१	कुन्तिस्तुतिं वर्णयत।	०२
२	युधिष्ठिरस्य शोकं वर्णयत।	०२
३	श्रीकृष्णस्य द्वारकागमनं वर्णयत।	०२
४	परीक्षितः जन्मवर्णनं वर्णयत।	०२
५	धृतराष्ट्र-गान्धार्योः वनगमनं वर्णयत।	०२
	तृतीयान्वितिः	
१	परीक्षितः कलिदमनं वर्णयत।	०५
२	परीक्षितः अनशनव्रतं वर्णयत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- पौरोहित्यम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – रुद्राष्टाध्यायी (नियतांशः)		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	रुद्रसूक्तस्य सारांशं लिखत।	०५
२	वयं सोमव्रते इत्यारभ्य पञ्चमन्त्राणां व्याख्यां लिखत।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
१	उग्रं लोहितेन मित्रः इति मन्त्रस्य व्याख्यां कुरुत।	०५
२	अष्टमाध्यायस्य आदितः पञ्चमन्त्रान् लिखत।	०५
	तृतीयान्वितिः	
१	शान्त्याध्यायस्य विषयवस्तु प्रस्तूयताम्।	०५
२	शान्त्याध्याये प्रतिपादितं जलतत्त्वसम्बन्धितमन्त्राणां समन्त्रकं व्याख्यां कुरुत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- पौरोहित्यम्	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – कुण्डमण्डपसिद्धिः		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	दिक्साधनविधिं वर्णयत।	०५
२	मण्डपप्रमाणविषये विचारयत।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
१	स्थण्डिलवेद्याः स्वरूपं निर्माणविधिं च वर्णयत।	०५
२	कुण्डनिर्माणविधिं स्पष्टयत।	०५
	तृतीयान्वितिः	
१	कुण्डनिर्माणप्रसङ्गे नाभिलक्षणं योनिनिर्माणविधिञ्च वर्णयत।	०५
२	मेखलामानप्रसङ्गे यथाशास्त्रं विवेचयत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- पौरोहित्यम्

प्रश्नपत्रम् – ०७

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – रुद्राष्टाध्यायी (नियतांशः)

प्रश्न नं.

गुण

- १ अधोलिखितेषु द्वयोः उत्तरं लिख्यताम्। २०
 १. पञ्चमाध्यायानुसारं भगवतः रुद्रस्य सर्वरूपत्वं विवेचयत।
 २. सप्तमाध्यायस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
 ३. रुद्राभिषेकस्य महत्त्वं वैशिष्ट्यं च विवेचयत।
- २ अधोलिखितेषु द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या विधीयताम्। १०
 १. द्रापेऽअन्धसस्पते द्रिद्रनीललोहित।
आसाम्प्रजानामेषाम्पशूनाम्माभेर्मरिोङ्गोचनः किञ्चनाममत्॥
 २. नमः कपर्दिने च व्युप्तकेशाय च नमः सहस्राक्षाय च शतधन्वने च
नमो गिरिशयाय च शिपिविष्टाय च नमो मीढुष्टमाय चेषुमते च॥
 ३. वयं सोमव्रते तवमनस्तनूषु बिभ्रतः।
प्रजावन्तः सचेमहि॥

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- वेदः

प्रश्नपत्रम् – ०५

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – वैदिकसाहित्येतिहासः

प्रश्न नं.

गुण

- १ निम्नाङ्कितयोः विस्तृतरूपेण ग्रन्थानुरूपं निबन्धः परिचयश्च उत्तररूपेण देयम्।
 - (१) चतुर्वेदानां शाखापरिचयः। ०५
 - (२) ऋग्वेदसंहितापरिचयं विलिख्य यजुर्वेदस्य वैशिष्ट्यं महत्त्वञ्च लिखत। ०५
 - २ द्वयोः उत्तरं लिखत।
 - (१) चतुर्णां वेदानां ब्राह्मणग्रन्थानां परिचयं विषयान्तर्गतमहत्त्वं प्रतिपादयत। ०२
 - (२) ब्राह्मणानां वर्ण्यविषये विधिरर्थवादश्च ग्रन्थोक्तमतानुसारं प्रतिपादयत। ०२
 - (३) आरण्यकम् इत्यस्य व्याख्यात्मकमुत्तरं लिखत। ०२
 - (४) मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम् इति व्याख्यायताम्। ०२
 - (५) नवनीतं यथा दध्नी मलयाच्चन्दनं यथा। ०२
- ३ निम्नाङ्कितयोः प्रश्नयोः विस्तृतनिबन्धरूपेण उत्तरं लिखत।
 - (१) दशप्रमुख-उपनिषद्ग्रन्थानां नामानि विलिख्य कासाञ्जन त्रयाणां परिचयः देयः। ०५
 - (२) चतुर्णां वेदानां उपनिषदः नामानि विलिख्य रचनाकालसमयः प्राचीनार्वाचीनभेदं विलिख्य वैदिकपरम्परायां सम्बन्धः व्याख्यायताम्। ०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- वेदः

प्रश्नपत्रम् – ०६

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्

प्रश्न नं.	गुणः
१ निम्नाङ्कितविधानयोः विस्तृतरूपेण ग्रन्थानुरूपं निबन्धं लिखत ।	
(१) प्रातिशाख्यप्रयोजनम्।	०५
(२) संज्ञापरिभाषाप्रकरणस्य सारांशः।	०५
२ निम्नाङ्कितविषयाणां व्याख्या कार्या।	
(१) प्रैषाणां पादवत्वम्।	०२
(२) पदान्तलक्षणम्।	०२
(३) अवसाने अष्टस्वराणाम् अनुनासिकसंज्ञा।	०२
(४) प्रगृह्यसंज्ञा।	०२
(५) नामिसंज्ञा इत्यस्य ग्रन्थानुगुणं व्याख्या।	०२
३ निम्नाङ्कितयोः प्रश्नयोः विस्तृतनिबन्धरूपेण उत्तरं लिखत।	
(१) ऋग्वेदप्रातिशाख्यस्य संहितापटलम्-प्रकरणस्य सारांशः।	०५
(२) स्वरव्यञ्जनसन्धयः, व्यञ्जनस्वरसन्धयः, स्वरसन्धयः, क्षैप्राः सन्धयः, भृगाः सन्धयः इत्येषां ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादनं कुरुत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- वेदः

प्रश्नपत्रम् – ०७

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – वैदिकसाहित्येतिहासः

प्रश्न नं.

- १ यजुर्वेदस्य महत्त्वं विलिख्य तस्य कर्मकाण्डीयमहत्त्वं प्रतिपादयत।
- २ उपनिषद् शब्दस्य अर्थं विलिख्य उपनिषदां महत्त्वं प्रतिपादयत।
- ३ ब्राह्मणभागस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।

गुणः

१०

१०

१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- फलितज्योतिषम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – मुहूर्तचिन्तामणिः (विवाहप्रकरणतः समाप्तिप्रकरणपर्यन्तम्)		

प्रश्न नं.	गुण
१ अधोलिखितयोः विषययोरुपरि निबन्धं लिखत। (क) अष्टकूटविचारः। (ख) विवाहमुहूर्तविचारः।	१०
२ अधोलिखितानां श्लोकानां ससन्दर्भं सान्वयं च व्याख्या कार्या। १. गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडब्दकोपरिष्ठात्। रविशुद्धिवलशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः॥ २. समाद्रिपञ्चाङ्कदिने विवाहाद् वधूप्रवेशोऽष्टिदिनान्तराले। शुभः परास्ताद्विषमाब्दमासदिनेऽक्षवर्षात्परतो यथेष्टम्॥ ३. चापे जीवे तनुस्थे वा मेषे भौमेऽम्बरे द्युने। षट्त्रयायेऽब्जे रवौ वा स्याज्जाताग्रिर्यजति ध्रुवम्॥ ४. न पूर्वदिशि शक्रभे न विधुसौरिवारे तथा न चाजपदभे गुरौ यमदिशोनीनदैत्येज्ययोः। न पाशिदिशि धातुभे कुजबुधेऽर्यमर्क्षे तथा न सौम्यककुभि व्रजेत् स्वजयजीवितार्थी बुधः॥	१०
३ अधोलिखितयोः विषययोरुपरि निबन्धं लिखत। १. यात्रामुहूर्तविचारः। २. गृहप्रवेशमुहूर्तविचारः।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा – शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- फलितज्योतिषम्	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – लघुजातकम्		

प्रश्न नं.	गुण
१ अधोलिखितयोः विषययोरुपरि निबन्धं लिखत। (क) षड्वर्गविचारः। (ख) ग्रहबलविचारः।	१०
२ अधोलिखितानां श्लोकानां ससन्दर्भं सान्वयञ्च व्याख्या कार्या। १. पुंस्त्री-कूराऽकूरौ चर-स्थिर-द्विस्वभावसंज्ञाश्च। अजवृषमिथुनकुलीराः पञ्चमनवमैः सहैन्द्राद्याः॥ २. आत्मा रविः शीतकरस्तु चेतः सत्त्वं धराजः शशिजोऽथ वाणी। ज्ञानं सुखं चेन्द्रगुरुर्मदश्च शुक्रः शनिः कालनरस्य दुःखम्॥ ३. षष्टेऽष्टमेऽपि चन्द्रः सद्यो मरणाय पापसंदृष्टः। अष्टाभिः शुभदृष्टो वर्षैर्मिश्रैस्तदर्धेन॥ ४. सर्वानिमानतिबलः स्फुरदंशुजालो लग्नस्थितः प्रशमयेत्सुरराजमन्त्री। एको बहूनि दुरितानि सुदुस्तराणि भक्त्या प्रयुक्त इव शूलधरप्रणामः॥	१०
३ अधोलिखितयोः विषययोरुपरि निबन्धं लिखत। १. नाभसयोगफलविचारः। २. स्त्रीजातकाध्यायस्य सारांशः।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- फलितज्योतिषम्

प्रश्नपत्रम् – ०७

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – मुहूर्त्तचिन्तामणिः

प्रश्न नं.

गुण

प्रथमान्वितिः

१ विवाहे अष्टकवर्गस्य महत्त्वविषये चर्चा कुरुत।

०५

२ लतादिदशदोषविषये वर्णनं कुरुत।

०५

द्वितीयान्वितिः

१ वधूप्रवेशप्रकरणस्य सारांशः लेख्यः।

०५

२ अग्निहोत्रमुहूर्त्तस्य महत्त्वविषये चर्चा कुरुत।

०५

तृतीयान्वितिः

१ वास्तुशास्त्रे काकिणीविचारः लिखत।

०५

२ यात्रामुहूर्त्तस्य वर्णनं कुरुत।

०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- साहित्यम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – साहित्यदर्पणः (तृतीयपरिच्छेदः)		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	विश्वनाथोक्तदिशा कः रसः? इति विलिख्य रसानुभूतिं प्रतिपाद्यताम्।	०५
२	सात्त्विक-नायकगुणाः के? इति विलिख्य नायिकाप्रकाराः ग्रन्थोक्तदिशा लेख्याः।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
३	अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि यथाग्रन्थं लिखत।	०८
	१. नायकस्य सहायकाः।	
	२. दूतलक्षणं तद्भेदाश्च।	
	३. नायिकायाः अलङ्काराः।	
	४. शृङ्गाररसः।	
	तृतीयान्वितिः	
४	ग्रन्थोक्तदिशा विभावाः अनुभावाः व्यभिचारिभावाः स्थायीभावाश्च प्रतिपादनीयाः।	०७
५	विश्वनाथोक्तदिशा भावध्वनिनिरूपणं कुरुत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- साहित्यम्

प्रश्नपत्रम् – ०६

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – शिशुपालवधम् (द्वितीयसर्गः)

प्रश्न नं.

गुणः

प्रथमान्वितिः

- १ कविवरमाघस्य परिचयो लेख्यः।
 - २ महाकाव्यदृष्ट्या शिशुपालवधमहाकाव्यस्य समीक्षा कार्या।
- द्वितीयान्वितिः
- ३ शिशुपालवधमहाकाव्यस्य द्वितीयसर्गस्य सारांशं लिखत।
 - ४ द्वितीयसर्गे उद्धवस्य कथनं यथाग्रन्थं लिखत।

तृतीयान्वितिः

- ५ एकवाक्येन उत्तरं यच्छत।
 १. शिशुपालवधे कति सर्गाः?
 २. द्वितीयसर्गे कति श्लोकाः?
 ३. कीदृशः श्रीकृष्णः सदः(सभाम्) प्रविष्टवान्?
 ४. प्रतिष्ठा कथं दुर्लभा?
 ५. श्रीकृष्णस्य वक्षः केनोपमीयेत?

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- साहित्यम्	प्रश्नपत्रम् – ०७	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – साहित्यदर्पणः (तृतीयपरिच्छेदः)		

प्रश्न नं.	गुणः
१ अधोलिखितयोः प्रश्नयोः सविस्तरम् उत्तरं लिखत। १. साहित्यदर्पणानुसारं रसस्वरूपं स्पष्टयत। २. नायकस्य भेदान् वर्णयत।	१०
२ टिप्पण्यौ लिखत। १. दूतीगुणाः। २. नायिकानां यौवनालङ्काराः।	१०
३ वीररसं सोदाहरणं स्पष्टयत।	०५
४ रसाभासं सविस्तरं वर्णयत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- नव्यव्याकरणम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी		

प्रश्न नं.	गुण
१ निम्नलिखितस्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं लेख्यम्। १. चरेष्टः, भिक्षासेनादायेषु च इति सूत्रद्वयस्य सिद्धिप्रक्रियापुरस्सरं व्याख्या कार्या। २. दिवाकरः, किङ्कराः, कर्मकरः, शब्दकारः, जनमेजयः इति पञ्चानां सूत्रपुरस्सरं प्रक्रिया लेख्या।	१०
२ पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तरं लेख्यम्। १. आशिषि हनः इति सूत्रं सवार्त्तिकं विवृणुत। २. आढ्यङ्करणम्, सुभगङ्करणम् इति द्वयोः ससूत्रं सिद्धिः कार्या। ३. कर्त्तरि भुवः खिण्णु-खुकजौ इति सूत्रं यथाग्रन्थं व्याख्यायत। ४. उपनिषद्, वेदविद् इति द्वयोः सिद्धिः लेख्या। ५. उखास्रत्, विजावा इति द्वयोः सिद्धिः कार्या।	१०
३ प्रश्नद्वयं समाधेयम्। १. दृशेः क्वनिप्, राजनि युधिकृजः इति सूत्रद्वयं विवृणुत। २. सरसिजम्, संस्कारजः, अदृष्टजः इति त्रयाणां सिद्धिः लेख्या।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- नव्यव्याकरणम्	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी		

प्रश्न नं.	गुण
१ प्रश्नद्वयं समाधेयम्। १. लिङ्सिचावात्मनेपदेषु, रधिजभोरचि इति सूत्रद्वयं व्याख्यायत। २. गोपायति, गोपायाञ्चकार, जुगोप इति त्रयाणां सिद्धिः कार्या।	१०
२ निम्नलिखितप्रश्नानां समाधानानि लिखत। १. लुग्वा दुहदिहलिह० इति सूत्रं सोदाहरणं विवृणुत। २. भ्रियात्, धेयात् इति द्वयोः ससूत्रं सिद्धिः लेख्या। ३. ऋतश्च संयोगादेर्गुणः इति सूत्रं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत। ४. अदिप्रभृतिभ्यः शपः इति सूत्रं विवृणुत। ५. अद भक्षणे इति धातोः सर्वेषां लकाराणां रूपाणि लिखत।	१०
३ प्रश्नद्वयं समाधेयम्। १. हन्-धातोः सर्वेषां लकाराणां रूपाणि विलिख्य जघान इत्यस्य सिद्धिप्रक्रियां लिखत। २. उतो वृद्धिर्लुकि हलि, ऊर्णोतेर्विभाषा इति सूत्रद्वयं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- नव्यव्याकरणम्	प्रश्नपत्रम् – ०७	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी		

प्रश्न नं.	गुण
१ निम्नलिखितस्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं लेख्यम्। १. कृजो हेतुताच्छील्यानुलोम्येषु, न शब्दश्लोककलह० इति सूत्रद्वयं यथाग्रन्थं विवृणुत। २. दिवाविभानिशा० इति सूत्रस्य व्याख्यां कृत्वा सर्वेषामुदाहरणानां सिद्धिप्रक्रियां लिखत।	१०
२ पञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। १. आढ्यसुभगस्थूल० इति सूत्रं सोदाहरणं सिद्धिप्रक्रियापूर्वकं लिखत। २. उखास्रत्, वेदविद् इति द्वयोः सिद्धिः लेख्या। ३. पर्णध्वत्, सुगण् इति द्वयोः सिद्धिः कार्या। ४. सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये इति सूत्रं सोदाहरणं विवृणुत। ५. आत्ममाने खश्च इति सूत्रं सोदाहरणं विवृणुत।	१०
३ प्रश्नद्वयं समाधेयम्। १. राजनि युधिकृजः, सहे च इति सूत्रद्वयं विवृणुत। २. क्षीणवान्, लूनः, द्राणः इति त्रयाणां सिद्धिः लेख्या।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- धर्मशास्त्रम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वसिष्ठस्मृतिः (५ तः ७ अध्यायाः)		

प्रश्न नं.	गुणः
१ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. यथाग्रन्थं पातिव्रतमहत्त्वं वर्णयत। २. स्त्रीणां कर्तव्यकर्मणां-शौचाचाराणां स्पष्टतया वर्णनं कुर्वन्तु।	१०
२ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. यथाग्रन्थम् उत्सवमाहात्म्यं वर्णयत। २. पितृणां श्राद्धकर्म कथं कर्तव्यम्? इति विलिख्य अशौचाचारप्रायश्चित्तं वर्णयत।	१०
३ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. विष्णोः प्रतिष्ठाविधिः एवं समयस्य वर्णनं कुरुत। २. वसिष्ठस्मृतेः वैशिष्ट्यं वर्णयत।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- धर्मशास्त्रम्	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – पाराशरस्मृतिः (७ तः १२ अध्यायाः)		

प्रश्न नं.	गुणः
१ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. पराशराभिमतं द्रव्यशुद्धिवर्णनं कुरुत। २. अकामकृतपापानां किं प्रायश्चित्तम्? प्रायश्चित्ताकरणे कः दोषः? वर्णयत।	१०
२ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. गोमहत्त्वं विलिख्य तत्सम्बद्धकृते दोषे प्रायश्चित्तं वर्णयत। २. स्मृतिग्रन्थेषु पाराशरस्मृतेः साम्प्रतं महत्त्वं विनिर्दिशत।	१०
३ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. स्मृत्यनुरूपं भोजनकर्मणि निर्दिष्टनियमानां वर्णनं कुरुत। २. ब्राह्मणादिवर्णानां अमेध्यादि(निषिद्ध)भोजने प्रायश्चित्तं यथाग्रन्थं वर्णयत।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- धर्मशास्त्रम्	प्रश्नपत्रम् – ०७	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वसिष्ठस्मृतिः (५ तः ७ अध्यायाः)		

प्रश्न नं.	गुणः
१ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. पतिव्रतास्त्रियः आचरणम् एवञ्च दिनचर्यायाः वर्णनं कुरुत। २. समाजे स्त्रीणां महत्त्वं किम्? वर्णयत।	१०
२ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. वैष्णवधर्मानुसारं नित्यनैमित्तिकविधेः वर्णनं कुरुत। २. वैष्णवधर्मे उत्सवानां किं महत्त्वम्? प्रतिपादयत।	१०
३ अधोलिखितयोः द्वयोः उत्तरं लिखत। १. विष्णुमूर्तेः स्थापनप्रतिष्ठापनविधिं स्मृत्यनुरूपं वर्णयत। २. मूर्तिपूजायाः शास्त्रसम्मतं महत्त्वं वर्णयत।	१०

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- वास्तुशास्त्रम्	प्रश्नपत्रम् – ०५	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वास्तुतत्त्वविवेकः		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	गृहस्य षोडशकक्षाणां विस्तृतं चर्चा कुरुत।	०५
२	गृहारम्भे वृषभचक्रस्य वर्णनं कुरुत।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
३	गृहसमीपे निषिद्धवृक्षाणां वर्णनं कुरुत।	०५
४	दकार्गलप्रकरणस्य सारांशो लेख्यः।	०५
	तृतीयान्वितिः	
५	रूग्णालये वास्तुनिर्देशनं कुरुत।	०५
६	शिलान्यासविधिं वर्णयत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री	सत्रम्-द्वितीयम्	गुणाङ्काः - ३०
विषयः- वास्तुशास्त्रम्	प्रश्नपत्रम् – ०६	कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – वास्तुरत्नावली, शिल्पशास्त्रम्		

प्रश्न नं.		गुणः
	प्रथमान्वितिः	
१	गृहपरहस्तगामित्वयोगज्ञानविषये चर्चा कुरुत।	०५
२	सिंहद्वारनिर्माणप्रकरणस्य सारांशो लेख्यः।	०५
	द्वितीयान्वितिः	
३	पुष्पवाटिकानिर्माणविषये विशद्चर्चा कुरुत।	०५
४	दुर्गनिर्माणप्रकारविषये चर्चा कुरुत।	०५
	तृतीयान्वितिः	
५	ग्रन्थानुसारेण भूमिपरीक्षणस्य चर्चा कुरुत।	०५
६	गृहप्रवेशविधिविषये चर्चा कुरुत।	०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री

सत्रम्-द्वितीयम्

गुणाङ्काः - ३०

विषयः- वास्तुशास्त्रम्

प्रश्नपत्रम् – ०७

कूटाङ्कः –

सन्दर्भग्रन्थः – वास्तुतत्त्वविवेकः

प्रश्न नं.

गुणः

प्रथमान्वितिः

१ अधोलिखितयोः वर्णनं क्रियताम्।

१. भूमिशोधनविधानं विलिख्यताम्।

०५

२. खातनिर्णयः क्रियताम्।

०५

द्वितीयान्वितिः

२ अधोलिखितयोः वर्णनं क्रियताम्।

१. प्रतिमास्वरूपं विलिख्यताम्।

०५

२. कुण्डलक्षणं विलिख्यताम्।

०५

तृतीयान्वितिः

३ अधोलिखितयोः वर्णनं क्रियताम्।

१. आदर्शगृहलक्षणं विलिख्यताम्।

०५

२. वास्तुपूजनविधिः विलिख्यताम्।

०५

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्
बाह्य सेमेस्टर परीक्षा स्वाध्यायकार्य – २०२१-२२

कक्षा - शास्त्री सत्रम्-द्वितीयम् गुणाङ्काः - ३०
विषयः- क्रियात्मकसंस्कृतशिक्षणम् प्रश्नपत्रम् – ०७ कूटाङ्कः –
सन्दर्भग्रन्थः – प्रथमा दीक्षा-वाक्यव्यवहारः

प्रश्न नं.	गुण
प्रथमान्वितिः	
१ अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छद्वयम् उत्तरत। १. राम, रमा, हरि, पयः, भगवान् इति शब्दपञ्चकं प्रयुज्य चतुः-पञ्चवाक्यानि रचयत। २. दानार्थे, रुच्यर्थे, तादर्थ्ये च चतुर्थ्यां वाक्यपञ्चकं लिखत। ३. नमः, स्वाहा, अलम्, वषट्, स्वधा-इत्येषाम् उपयोगं कृत्वा पञ्चवाक्यानि लिखत।	१०
द्वितीयान्वितिः	
२ निम्नाङ्कितयोः प्रश्नयोः समाधानं कुरुत। (१) निर्दिष्टसमयं संस्कृतभाषायां लिखत। • ३.१५ • ११.३० • ६.४५ • १०.१० • १.२५ (२) निम्नाङ्कितसङ्ख्या देवभाषायां शब्देषु लिखत। • २५ • ३२ • ५३ • ८२ • ८८ • ३६ • १०८ • १११ • २२० • १००८	१०
तृतीयान्वितिः	
३ रिक्तस्थानानि पूरयत। १. (विद्यालयः) परितः वृक्षा सन्ति। २. योद्धा (अश्वः) पतति। ३. रामः (कौशल्या) पुत्रः अस्ति। ४. वयं (संस्कृतमाता) सेवकाः स्मः। ५. (देवभाषा) महत्त्वं जनाः स्वीकुर्वन्ति।	०५
४ राज्यस्तरीयशास्त्रीयस्पर्धायां लब्धसुवर्णपदकाय मित्राय वर्धापनपत्रं लिखत।	०५